सत्र 2024–25
नियमित परीक्षार्थियों हेतु
एम.ए. (तबला) चतुर्थ सेमेस्टर
प्रथम प्रश्न पत्र–भारतीय संगीत का इतिहास

समय 3 घण्टे

अंक योजना		
मिड टर्म	एण्ड टर्म	कुल अंक
30 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36%	70 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36%	100

इकाई–1

1. प्राचीन एवं वर्तमान ताल पद्धतियों का तुलनात्मक अध्ययन।
2. उपशास्त्रीय तथा सुगम संगीत में प्रयुक्त तालों के विकास का अध्ययन।

इकाई–2

1 संगीत शिक्षण की प्राचीन परंपरा एवं विकास तथा संस्थागत शिक्षा प्रणाली का ऐतिहासिक अध्ययन।

2 गुरू शिष्य परम्परा एवं संस्थागत शिक्षण प्रणाली के गुण–दोष।

इकाई–3

1 छन्द की परिभाषा तथा छन्द और ताल के पारस्परिक संबंधों का ज्ञान।

2 बंदिश के संदर्भ में छन्दों का महत्व, रस–भाव एवं लय–बोल का संबंध।

इकाई–4

1 पारंपरिक ताल वाद्यों का महत्व एवं उपयोगिता।

2 आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक संगीत उपकरणों की उपयोगिता का विश्लेषणात्मक अध्ययन (ताल वाद्यों के संदर्भ में)

इकाई–5

1. तबला के विभिन्न घरानों की उत्पत्ति का वादन शैली के आधार पर विश्लेषण।
2. विशिष्ट कलाकारों की वादन विशेषताओं का अध्ययन।

   उ. अहमदजान थिरकवा, उ. अल्लारखा खॉ, पं. किशन महाराज, पं. गुदई महाराज।

एम.ए. (तबला) चतुर्थ सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्न पत्र–संगीत के क्रियात्मक सिद्धांत

समय 3 घण्टे

अंक योजना		
मिड टर्म	एण्ड टर्म	कुल अंक
30 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36%	70 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36%	100

इकाई–1

1 प्राचीन वाद्य वर्गीकरण का विवेचन एवं संशोधन की संभावनाएँ।

2 दिये गये बोलों के आधार पर त्रिताल, झपताल, एकताल, रूपक, रूद्र, सवारी (15 मात्रा), आडा चौताल, 9, 17 एवं 13 मात्रा में विभिन्न रचनाएँ बनाकर ताललिपि में लिखना।

इकाई–2

1 मुखडा, टुकडा, परन, चक्रदार के रचना सिद्धांत का विस्तृत विवेचन ।

2 पेशकार, कायदा तथा रेला के विस्तार नियमों की व्याख्या।

इकाई–3

1 किसी ताल के ठेके को अन्य तालों में समायोजित करने का अभ्यास।

2 लोक संगीत एवं उपशास्त्रीय संगीत में प्रयुक्त तालों की विवेचना।

इकाई–4

1 शोध की परिभाषा, संगीत में शोध के अवसर, आवश्यकता एवं नवीन आयाम।

2 शोध विषय का चयन, संक्षेपिका तथा शोध कार्य में आने वाली समस्याओं का अध्ययन।

इकाई–5

1 शोध के संदर्भ में सामग्री संकलन, फील्ड वर्क, प्रश्नावली, रिपोर्ट लेखन की भाषा एवं प्रस्तुतिकरण।

2 सांगीतिक शोध कार्य हेतु सहायक सामग्री–पुस्तकें, पत्र–पत्रिकाएँ, दृश्य श्रव्य उपकरण (मोबाईल, कैमरा, कम्प्यूटर, इंटरनेट,तथा अन्य)

सत्र 2024–25
नियमित परीक्षार्थियों हेतु
एम.ए. (तबला) चतुर्थ सेमेस्टर
प्रायोगिक–1 (वायवा)

अंक योजना		
मिड टर्म	एण्ड टर्म	कुल अंक
30 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36%	70 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36%	100

1. पिछले पाठ्यक्रमों की पुनरावृत्ति।
2. त्रिताल, झपताल, रूपक, एकताल, के अतिरिक्त आडाचौताल, 9, 11 एवं 17 मात्रा में स्वतंत्र वादन।
3. पाठ्यक्रम के तालों को विभिन्न लयकारियों में बजाने का अभ्यास।
4. तिलवाडा, झूमरा, एकताल आडाचौताल को विलंबित लय में बजाने की क्षमता।
5. तीनताल एवं एकताल द्रुत लय में बजाने की क्षमता।
6.. पंजाब एवं फर्रूक्खाबाद घराने की बंदिशों का विशेष ज्ञान व बजाने की क्षमता।
7. शास्त्रीय गायन एवं वादन में संगत का अभ्यास।
8. कथक नृत्य की संगति का ज्ञान।

एम.ए. तबला–चतुर्थ सेमेस्टर
प्रायोगिक–2 (मंच प्रदर्शन)

अंक योजना		
मिड टर्म	एण्ड टर्म	कुल अंक
30 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36%	70 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36%	100

आमंत्रित श्रोताओं के समक्ष।

1. त्रिताल, झपताल, रूपक, एकताल में से किसी एक ताल का 20 मिनिट वादन।
2. आडाचौताल, 11 मात्रा, 9 मात्रा में से किसी एक ताल का परीक्षक के निर्देशानुसार 15 मिनिट वादन।
3. तबला वाद्य को स्वर में मिलाने का ज्ञान।

//संदर्भित पुस्तकें//

1. पखावज एवं तबला के घराने एवं परम्पराऍ : डॉ. अबान मिस्त्री
2. भारतीय ताल वाद्य : डॉ. लालमणि मिश्र
3. तबले का उद्‌गम, विकास एवं वादन शैलियॉ : डॉ. योगमाया शुक्ल
4. तबला : श्री अरविंद मुलगॉवकर
5. प्रमुख ताल वाद्य पखावज एवं तबले की परंपराऍ : डॉ. मोहिनी वर्मा
6. ताल शास्त्र : डॉ. जमुना प्रसाद पटेल
7. भारतीय संगीत शास्त्रों में वाद्यों का चिंतन : डॉ. अंजना भार्गव
8. भारतीय तालों का शास्त्रीय विवेचन : डॉ. अरूण कुमार सेन